Hindi Murli Quiz 06-12-2015

.

Q.1) **. "दिलाराम बाप के दिल तख्तनशीन तो सब बच्चे हैं फिर भी नम्बरवार तो कहेंगे ही। जैसे माला के मणके तो सब हैं लेकिन कहाँ आठ और कहाँ 16 हजार का लास्ट दाना। कहेंगे मणके दोनों को लेकिन अन्तर महान है। इन नम्बर का आधार मुख्य स्लोगन है - पवित्र और योगी बनो।"**

A. सही
B. गलत

Q.2) **Q. आज बापदादा ने तीन प्रकार के योगी का वर्णन किया है । उसमे पहले नम्बर के योगी की विशेषताएं चयन करें –**

A. नम्बर वन बच्चे स्वत: योगी जीवन में रहते हैं।
B. प्राप्ति के भण्डार वर्से के आधार से सदा भरपूर रहते हैं।
C. वे मेहनत नहीं करते - आज सुख दो, आज शान्ति दो।
D. संकल्प का बटन दबाया और खान खुल जाती है।
E. सदा सम्पन्न रहते हैं अर्थात् योगयुक्त, योग लगा हुआ ही रहता है।

Q.3) **Q. आज बापदादा ने दूसरे नम्बर के योगी की विशेषताएं वर्णन की हैं,उनका चयन करें----**

A. दूसरे नम्बर के हैं योग लगाने वाले अर्थात् योग टूटता फिर लगाते हैं।।
B. वह ऐसे हैं जैसे आजकल के बिजनेसमैन- कभी बहुत कमाते कभी कम कमाते।
C. कमाई का नशा रहता है और खुशी भी रहती है ।
D. सदा सम्पन्न सदा एकरस रहेंगे ।
E. सदा स्वयं से सन्तुष्ट नहीं होंगे।

Q.4) **Q. आज बापदादा ने तीसरे नम्बर के योगी की भी विशेषताएं वर्णन की हैं, उनका चयन करें----**

A. .तीसरे नम्बरहैं - जैसे आजकल के नौकरी करने वाले। कमाया और खाया।
B. स्टाक जमा नहीं होगा ।
C. .इसलिए सदा खुशी में नाचने वाले नहीं होंगे।
D. मेहनत के कारण कब दिलशिक्स्त और कब दिलखुश होंगे।

Q.5) **Q. "बाप कहते हैं- बच्चों को वर्से में सर्व प्राप्तियों का खजाना मिला है, अधिकारी हो, नैचुरल योगी हो, नैचुरल स्वराज्यधारी हो। बाप के खजाने के बालक सो मालिक हो। तो भी इतनी -------क्यों करते हो? मास्टर रचता और वह नौकर के समान ------- करें, यह बिल्कुल नही शोभता ।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें ।

A. लालच
B. मेहनत
C. बहस
D. चिन्ता

Q.6) **Q. "सदा बाप के बच्चे हो और सदा खजाने के मालिक हो । कहना 'बाबा' और करना 'याद की मेहनत'- दोनों बातें एक दो के विपरीत हैं। तो सदा यह स्लोगन याद रखो - कि मैं एक श्रेष्ठ आत्मा बालक सो मालिक हूँ। सर्व खजानों का अधिकारी हूँ । 'जो पाना था वह पा लिया' । सम्पन्न बाप के बालक हो इसलिए निरन्तर योगी बनो । बाप-दादा को बच्चों की मेहनत देख तरस पड़ता है। राजा के बच्चे नौकरी करें, यह शोभता नही है।"**

A. सही
B. गलत

Q.7) **Q. सभी रिक्त स्थानों का सबसे उपयुक्त शब्दों से मैच करें ।**

	Choice		Match
A	.एक होता है मुरली को स्मृति में लाना और दूसरा है -------में लाना। ज्ञान का अर्थ ही है -----में लाना।	1	अभी-अभी ।

B	ऐसे नहीं अभी तो पुरुषार्थी हैं, प्रालब्ध भविष्य में मिलेगी। संगमयुग की विशेषता है ------पुरूषार्थ -------प्रत्यक्ष फल।	2	याद ।
C	जहाँ -----है वहाँ फरियाद अर्थात उलझन नहीं, जहाँ फरियाद है वहाँ ----- नहीं।	3	रजिस्टर ।
D	ब्राहमणों का संगठन होना, हाजर होना,एवररेडी होना,सहनशक्ति का लक्ष्य रखना, यह भी -------में जमा होता है।	4	स्वरूप (अनुभव) ।
E	जो भी ------के श्रेष्ठ कार्य होते हैं उनमें सहयोगी बनना,इसकी भी मार्क्स हैं जो अन्तिम रिजल्ट में जमा होते हैं ।	5	ब्राहमणों ।

Q.8) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------**

	Choice		Match
A	कलकत्ता का विक्टोरिया ग्राउण्ड आपको तैयार करके देंगे,	1	ऐसी स्थिति में रहने वालों के लिए स्थान है दिलतख्त।
B	एक बाप दूसरा न कोई,	2	यह राष्ट्रपति भवन आपका घर हो जायेगा।
C	एक बाप के सिवाए और कोई याद न आये, अगर देह भी याद आई,	3	तो देह के साथ देह के सम्बन्ध, पदार्थ, दुनिया सब एक के पीछे आ जायेंगे।
D	.सूक्ष्म संकल्प में भी बंधन न हो। जितना निर्बन्धन होंगे, उतना ऊंची स्टेज पर स्थित हो सकेंगे।	4	बंधन होगा तो ऊंचा चाहते भी नींचे आ जायेंगे।
E	आत्मा, परमात्मा, चक्र कोई भी ज्ञान का शब्द अनुभव में आये।	5	आत्मा हूँ, यह अनुभूति हो, परमात्मा का अनुभव हो, इसको कहा जाता है नवीनता।

Q.9) **Q. वरदान पर आधारित निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत हैं,कृपया टिक करें ।**
"ज्ञान स्वरूप, समझदार बनकर कोई भी संकल्प वा कर्म करते हैं, वे सफलता मूर्त बनते हैं। इसी का यादगार भक्ति मार्ग में कार्य प्रारम्भ करते समय स्वास्तिका निकालते हैं वा गणेश को नमन करते हैं। यह स्वास्तिका, स्व स्थिति में स्थित होने और गणेश नॉलेजफुल स्थिति का सूचक है। आप बच्चे जब स्वयं नॉलेजफुल बन हर संकल्प वा कर्म करते हो तो सहज सफलता का अनुभव होता है।"

A. सही
B. गलत

Q.10) **Q. "ब्राह्मण जीवन की विशेषता है ---------, इसलिए ---------- का दान करते चलो।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से आज के स्लोगन के अनुसार सही शब्द से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें ।

A. पवित्रता
B. सत्यता
C. खुशी
D. शान्ति
E. प्रेम